अनुक्रमणिका

अ.क्र.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
	प्रमाणपत्र	एक
	अनुशंसा	दो
	प्रख्यापन	तीन
	प्राक्कथन	चार
	अनुक्रमणिका	बारह
प्रथम अध्याय : 'मैत्रेयी पुष्पा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व'		**1 - 43**
1. व्यक्तित्व परिचय।		
विषय प्रवेश।		
1.1 जन्मभूमि तथा जन्मस्थान।		
1.2 नाम।		
1.3 पारिवारीक पृष्ठभूमि।		
1.4 पिताजी।		
1.5 माताजी।		
1.6 मैत्रेयीजी के जीवन पर प्रभाव रहे रिश्तेदार और मित्रजन।		
1.7 मैत्रेयी के बचपन को प्रभावित करनेवाले व्यक्तित्व।		
1.8 शिक्षा।		
1.9 विवाह।		
1.10 दांपत्य जीवन।		
1.11 बेटियाँ मैत्रेयी के लिये प्रेरणा स्थल।		
1.12 मैत्रेयी के व्यक्तित्व निर्माण में युगीन परिवेश।		
1.13 व्यक्तित्व गुण।		
1.14 लेखकीय व्यक्तित्व निर्माण के प्रेरणा स्त्रोत।		
2 कृतित्व		
1.2.1 उपन्यासकार मैत्रेयी पुष्पा।		

अ.क्र. अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
1.2.2 कहानीकार मैत्रेयी पुष्पा।	
1.2.3 आत्मकथाकार मैत्रेयी पुष्पा।	
1.2.4 स्त्री -विमर्श।	
1.2.5 नाटक।	
1.2.6 कविता संग्रह।	
1.2.7 टेलीफिल्म।	
1.2.8 अन्य लेखन।	
1.2.9 पुरस्कार।	
निष्कर्ष।	
द्वितीय अध्याय : 'आँचलिक उपन्यास : स्वरुप और विकास'	**45 - 66**
2.1 अँचल और आँचलिकता स्वरुप ।	
2.2 अँचलिक उपन्यास की सीमाएँ।	
2.3 हिंदी के आँचलिक उपन्यासों का विकास ।	
2.3.1 प्रेमचंदपूर्वक आँचलिक उपन्यास (1893 से 1903)	
2.3.2 प्रेमचंद कालीन आँचलिक उपन्यास (1904 से 1936)	
2.3.3 प्रेमचंदोत्तर कालीन उपन्यास (1936 से 1951)	
2.3.4 हिंदी उपन्यास में आँचलिकता का युग (1951 से 1967 तक)	
2.3.5 आधुनिक आंचलिक उपन्यास (1967 से 2000 तक)	
निष्कर्ष।	
तृतीय अध्याय : 'इदन्नमम' की कथावस्तु और उसकी विशेषताएँ'	**67 -101**
3.1 'इदन्नमम' की कथावस्तु (तात्विक विवेचन)	
3.2 'इदन्नमम' की कथावस्तु की विशेषताएँ ।	
3.2.1. 'इदन्नमम' में यातायात के लिए कठीण परिवेश।	
3.2.2. 'इदन्नमम' में स्टोन क्रशरों से ग्रसित गाँव।	

अ.क्र. अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
3.2.3 'इदन्नमम' में शिक्षा संबंधी समस्या। 3.2.4 'इदन्नमम' में आरोग्य विषयक समस्या। 3.2.5 'इदन्नमम' में किसान, मजदूरों का शोषण। 3.2.6 'इदन्नमम' में स्त्री-पुरुष संबंध। अ) पती-पत्नी संबंध । ब) 'इदन्नमम' में स्त्री-पुरुष विवाह बाह्य संबंध । क) 'इदन्नमम' में बलात्कार की समस्या। 3.2.7 'इदन्नमम' में राजनीतिका चित्रण। 3.2.8 'इदन्नमम' में 'विवाह' से संबंधधित समस्या। 3.2.9 'इदन्नमम' में धर्म और संस्कृति का चित्रण। निष्कर्ष। 3.3 शीर्षक। 3.4 सार्थकता। निष्कर्ष।	
चतुर्थ अध्याय : 'इदन्नमम' उपन्यास की विशेषताएँ' 4.1 आरंभ । 4.2 संक्रमणकालीन ग्रामीण जीवन व मानसिकता की अभिव्यक्ती । 4.2.1 आरंभ। 4.2.2 'इदन्नमम' में मूल्य संक्रमण और सामाजिक जीवन। 4.3 'इदन्नमम' में परिवेश का नायकत्व : आँचलिकता का सफल संयोजन। 4.4 'इदन्नमम' में युगचेतना का निरुपण। 4.5 'इदन्नमम' में शोषण की प्रस्तुति। 4.6 'इदन्नमम' में स्त्री-पुरुष संबंध ।	**103 -157**

अ.क्र. अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
4.7 'इदन्नमम' में प्रकृति।	
4.8 'इदन्नमम' में मानवीय भूमिका।	
4.9 'इदन्नमम' की भाषा और शैली।	
4.9.1 बोलचाल की भाषा 'बुंदेलखंडी' के शब्द ।	
4.9.2 संवादों में प्रयुक्त भाषा।	
4.9.3 शुध्द साहित्यिक परिनिष्ठीत भाषा।	
4.9.4 चित्रात्मक भाषा।	
4.9.5 लोकगीतात्मक भाषा एवं काव्यात्मक भाषा।	
4.9.6 मुहावरे, कहावतों और सुक्तियों का प्रयोग।	
निष्कर्ष	
पंचम अध्याय : 'इदन्नमम' में पात्रसृष्टी	**159 -189**
आँचलिक उपन्यास और उसके पात्र ।	
अ) स्त्री पात्र ।	
5.1 नायिका 'मंदा'।	
5.1.1 अल्हड़ बालिका।	
5.1.2 सामान्य रंगरुप की नारी 'मंदा' ।	
5.1.3 अल्पशिक्षित 'मंदा'।	
5.1.4 प्रेमिका 'मंदा'।	
5.1.5 शोषित नारी ।	
5.5.6 दृढ संकल्पिय नारी।	
5.5.7 'माँ' के स्नेह की भूखी 'मंदा'।	
5.5.8 विद्रोही 'मंदा'।	
5.5.9 धार्मिक 'मंदा'।	
5.5.10 गाँव का नेतृत्व करनेवाली 'मंदा'।	
5.5.11 त्यागमूर्ती 'मंदा'।	

अ.क्र. अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
5.2 कुसुमा भाभी।	
5.3 बऊ।	
5.4 प्रेम ('मंदा' की 'माँ')।	
5.5 सगुणा।	
ब) पुरुष पात्र ।	
5.6 दादा पंचमसिंह।	
5.7 मकरंद।	
5.8 गोविंदसिंह।	
5.9 अभिलाखसिंह।	
5.10 जगेसर ।	
5.11 टीकमसिंह।	
5.12 डॉ. इंद्रनील।	
5.13 डबलबब्बा।	
निष्कर्ष ।	
उपसंहार।	**191 -197**
संदर्भ ग्रंथ सूची ।	**199 - 202**